महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

परिपत्र

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या सम्मान

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का परिचय

महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (एम्.एस्.आर्.वि.वि.पि) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन, सोसाइटि रिजिस्ट्रेशन् एक्ट 1860 के तहत स्थापित एक स्वायत्त संगठन जनवरी 1987 से **वेदविद्या क्षेत्र में** लगातार काम करते आ रहा है। म.सा.रा. वेदविद्या प्रतिष्ठान का उद्देश्य "वेद का मौखिक पाठ परंपरा को सुरक्षित, संरक्षित और विकसित करना है, जिसके लिए वेदविद्या प्रतिष्ठान विभिन्न गतिविधियों को चलाने का कार्य करता है जैसे कि पारंपरिक वैदिक संस्थानों और विद्वानों को आर्थिक एवं अन्य सहायक सुविधा प्रदान करना, विद्वानों और वेदपाठियों के माध्यम से वेदों की सस्वर पाठ करने की परंपरा को बढ़ावा देना, वेदविद्या सम्मेलनों को चलाना, वेद और वेदांग के क्षेत्र में मौलिक सर्जनात्मक लेखन-भाष्य, व्याख्या, टीका तथा वेद विषयक ग्रन्थों की पाण्डुलिपियों का सम्पादन, प्रकाशन" आदि।

सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या सम्मान का परिचय

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार के तत्त्वावधान, निर्देशन एवं मार्गदर्शन के तहत भारत के नागरिकों/भारतीय मूल व्यक्तियों से म.सा.रा. वेदाविद्या प्रतिष्ठान ने "**सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या सम्मान**" प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह वेदविद्या सम्मान वेदों के महान प्रचारक "महर्षि सान्दीपनि" के नाम पर आधारित है, जिनके नाम पर प्रतिष्ठित वैदिक ज्ञान के प्रचार के उद्देश्य को महसूस किया जाता रहा है। भारतीय पारंपरिक विद्वानों को, विशेषतः वैदिक विद्वानों को वेदों के अर्थ की सुरक्षा के अलावा, वेदों की मौखिक परंपरा को सस्वर संरक्षित करने के लिए काल काल में बहुत कठिनाइयां सामने आई हैं, उनके रास्ते में कई बाधाएं उठीं हैं। बहुत शाखाएं तो लुप्त हो गई हैं।तथापि वे वैदिक विद्वान परंपरा को सस्वर संरक्षित कर, वैदिक ज्ञान के स्रोतों की रक्षा के लिए अपने रास्ते पर कर्तव्य निष्ठा से लगातार चल रहे हैं। हालांकि ऐसे प्रतिष्ठित विद्वानों की संख्या में कमी आई है, फिर भी भारतीय पारंपरिक विद्वानों, एवं वैदिक विद्वानों ने ऐसे कार्य करने के लिए कर्तव्य निष्ठा से लगातार समर्पित हैं। उनकी न केवल मौखिक रूप से सराहना की जानी हैं, बल्कि उन्हें पुरस्कृत भी किया जाना जरूरी है ।

इस तरह के- वेदों के अर्थ की सुरक्षा के अलावा, वेदों की मौखिक परंपरा को सस्वर संरक्षित करते हुए विद्वानों की दुर्लभता को ध्यान में रखकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माननीय मंत्री महोदय ने वैदिक अध्ययन की शाखा में "सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या सम्मान" नामक पुरस्कार को रु. 1, 00,000/-(एक लाख रुपये) धन राशि के साथ प्रदान करने का निर्णय लिया है। वेद के अध्ययन और वेदांग के क्षेत्र में मौलिक सर्जनात्मक लेखन संवर्धन हेतु संस्थापित सम्मान का अधोलिखित उद्देश्य हैं-

सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या सम्मान-उद्देश्य

1. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में वेद और वेदंग-साहित्य के अध्ययन को बढ़ावा एवं प्रोत्साहन देना;
2. वेद और वेदांग के क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोण और नवीन व्याख्या को प्रोत्साहित करने और वेद और वेदंग पर क्षेत्रीय परंपराओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करना; तथा
3. वेदविद्या के दुर्लभ शाखाओं का वैदिक विरासत एवं ज्ञान को बनाए रखते हुए विकसित करने और संरक्षित करने के लिए।

"सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या सम्मान" के पुरस्कार के नामांकन के लिए, प्रत्येक वर्ष 2013, 2014, 2015 और 2016 हेतु अलग-अलग आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

पुरस्कार के रूप में नकद रुपये 1, 00,000/- (एक लाख रुपये), शाल, श्रीफल, माला, और सम्मान प्रमाण पत्र शामिल हैं।

"सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार" आवेदन के लिए अर्हताएं-

1. आवेदन स्वीकार केवल तभी किया जाएगा जब आवेदक वेद विद्वान, निर्दिष्ट सम्मान वर्ष के 1 जनवरी को, 60 वर्ष पूर्ण किया और भारत का नागरिक या भारतीय मूल का हो।
2. आवेदन/नामांकन फॉर्म को राष्ट्रपति अवार्डी/ सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार प्राप्तकर्ता/ विश्वविद्यालय-कुलपति/ भारत सरकार के सचिव/ किसी राज्य सरकार के मुख्य सचिव/ जिला मजिस्ट्रेट/ कलेक्टर/ पुलिस आयुक्त के माध्यम से ही, अनिवार्य रूप से भेजे जाने चाहिए।
3. सभी मूल लेख और किताबें अप्रतिनिवर्तनीय-स्थिति के साथ तीन प्रतियों में निर्धारित आवेदन प्रपत्र (जो वेबसइट् www.msrvvp.ac.in में है) बायो-डेटा और अन्य प्रमाणपत्रों के साथ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जानी चाहिए।

वेदविद्या पुरस्कार की अर्हताएं

(अ) आवेदक को वेद की किसी शाखा और या वेदांग/वैदिक-साहित्य के पारंपरिक प्रख्यात विद्वान् होने चाहिये, विश्वविद्यालयों से डिग्री या प्रमाण पत्र देने योग्य अन्य वैदिक संस्थानों से ससम्मान प्रमाणपत्र प्राप्त होने चाहिए।

(आ) आवेदक के पास वेद की किसी शाखा, या वैदिक साहित्य और या वेदांग के ज्ञान से संबद्ध मौलिक सर्जनात्मक प्रकाशन- मौलिक लेखन, भाष्य, व्याख्या, टीका तथा वेदों की पाण्डुलिपियों का सम्पादन किया हो।

या

आवेदक ने भारत या विदेशों में वैदिक साहित्य के प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित किया हो, जिसका साक्ष्य/ प्रमाण आवेदन के साथ में प्रस्तुत किया हो ।

(इ) आवेदक ने वेद की किसी शाखा या वैदिक साहित्य और या वेदांग की व्याख्या में सर्जनात्मक योगदान किया हो और आधुनिक समाज के लिए लाभकारी नवीन व्याख्या को प्रोत्साहित किया हो, जिस का साक्ष्य/ प्रमाण आवेदन के साथ में प्रस्तुत किया हो ।

आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:

प्रतिष्ठान की वेबसाइट www.msrvvp.ac.in से आवेदन-पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख विज्ञापन में दर्शाई जाएगी । तिथि के बाद प्राप्त आवेदन को विचार नहीं किया जाएगा।

सूचना

1. चयन प्रक्रिया में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के अध्यक्ष महोदय का ही निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।
2. किसी भी तरह का अन्तरिम पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगा । चयन प्रक्रिया के बाद सूचना वेब साइट् पर उपलब्ध होगी ।
3. चयन प्रक्रिया में किसी भी तरह का प्रचार, आवेदक की आवेदन पत्र निराकरण एवं समाप्ति के लिये न्यायसंमत कारण होगा।

15.3.18

(प्रोफेसर विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्)
सचिव
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदाविद्या प्रतिष्ठान
वेदविद्या मार्ग,चिंतामण गणेश,
जावासिया, उज्जैन, मध्य प्रदेश - 456006
ईमेल: msrvvpujn@gmail.com

MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN, UJJAIN

Circular

Sandipani Rashtriya Vedavidya Samman

Introduction to Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan

Maharishi Sandipani Rashtirya Vedavidya Pratishthan (MSRVVP) is an autonomous organisation registered under the Societies Registration Act, 1860, working since January 1987 under the Ministry of Human Resource Development, Government of India. The objectives of MSRVVP is to preserve, conserve and develop the oral tradition of Veda-s and Vedic recitation with proper intonation, for which it undertakes various activities such as, providing assistance to traditional Vedic Institutions, Vedapathiees', and Scholars, promoting the tradition of right intonation and recitation through learned scholars and Vedapathiees', conducting Veda Sammelans, bringing original publications of Bhashya, commentaries, Gloss, publications of unpublished manuscripts etc.

Introduction to Sandipani Rashtriya Vedavidya Samman

Under the auspices, direction and guidance of the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, MSRVVP invites applications filled in the prescribed pro-forma for conferring "Sandipani Rashtriya Vedavidya Award" which is named after "Maharshi Sandipani" the great propagator of Vedas, with whose name the Pratishthan strives to realise the aim of propagating Vedic lore and Vedic knowledge. The Indian traditional Scholars have toiled very hard to preserve the oral tradition of texts with right intonation in various branches of Vedas, besides protecting the traditional interpretation of the Vedas. Surmounting many hurdles in their way, they have continuously marched on their way to protect Vedic sources of knowledge and oral tradition of texts with right intonation. Though the number of such prestigious scholars have decreased in number still some are highly devoted to oral tradition of Vedas with right intonation in accordance with various branches of Vedas, besides protecting the interpretation of the Vedas. They are not only to be verbally appreciated, but also to be suitably rewarded to motivate and recognise their efforts. Keeping the rareness of such scholars in view, the Honourable Minister of Human Resource Development has decided to bestow an award in Vedic branch of study to promote the original writings in Vedic Studies and Vedanga with the following objectives:

Objectives

1. To promote the study of Vedic and Vedanga literature in a global perspective;
2. To encourage fresh approach and innovative interpretation in the field of Veda and Vedanga and to motivate and encourage regional traditions on Veda and Vedanga; and
3. To cultivate and preserve Vedic heritage and knowledge of rare disciplines under Vedic lore.

Applications are invited from Indian citizen/Person of Indian Origin in the prescribed pro-forma of application for the award of Sandipani Rashtriya Vedavidya Samman for the years 2013, 2014, 2015 and 2016, one for each year separately.

Puraskar consists of Cash award of Rs. 1,00,000/- (One Lac Rupees), Shawl, Shriphal, Garland and Certificate of Samman.

15/3/18

Minimum Criteria for application/Nomination for the "Sandipani Rashtriya Vedavidya Samman"

1. The entry will be made only if the applicant is more than 60 years old as on 1st January of the year for which application is being submitted and only if he/she is of Indian citizen/Person of Indian Origin.
2. The Application/Nomination form should be filled and routed through Vice-Chancellor/Presidential Awardee/ Sandipani Rashtriya Vedavidya Awardee/ Secretary to the Government of India/ Chief Secretary to the Government of a State/ Director/District Collector//District Magistrate/Collector/Police Commissioner/ with (Officially Stamped) with antecedent and originality certificate.
3. All original articles and books in triplicate with the condition of not-to-be returned are to be submitted along with prescribed application and Bio-data.

Outlines of eligibility criteria

(a) The applicant must be well-versed in one of the Veda Shakhas and or Vedangas/ Vedic Literature through traditional gurukulas or by holding degrees of the Universities or any other Vedic institutions entitled to offer certificates on Veda Shakhas and or Vedangas.

(b) The Applicant must have original publications dealing with the wisdom of Vedic literature and or Vedangas such as Bhashya, commentary, gloss etc and editing of manuscripts on on Veda-s, Vedic studies and Vedanga.

OR

The applicant must have devoted his life for the propagation of the Vedas, Vedanga, and Vedic literature in India or abroad, is evidenced through any proof.

(c) The applicant should have made original contribution on the interpretation of the Veda-s, and Vedic literature which must be beneficial to the modern society which is evidenced through publications.

Last date of submission:

Prescribed Application Form along with other affidavits etc. may be downloaded from the website www.msrvvp.ac.in of the Pratishthan. The last date for the submission of application will be notified in the advertisement. The application received after the date will not be considered.

NOTE:

1. The decision of the Chairman of the Pratishthan shall be final and binding upon all who participate in the application and award process.
2. Canvassing in any form will be treated as a just and valid cause for rejection of application.
3. Interim enquires are not to be made. After the declaration of award, notification will be issued on MSRVVP website.

15.3.18

(Prof. Viroopaksha V. Jaddipal)
Secretary
Maharshi Sandipani RashtriyaVedavidya Pratishthan,
Veda Vidya Marg,
Chintaman Ganesh,
Javasia, Ujjain,
Madhya Pradesh – 456006
Email:msrvvpujn@gmail.com

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत शासन का स्वायत्तशासी संस्थान)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, उज्जैन - 456006 (म.प्र.)

MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA VIDYA PRATISHTHAN
(An Autonomous organisation of Ministry of HRD, Govt. of India)
Vadavidya Marg, Chintaman Ganesh, Post. Jawasia, Ujjain 456006 (M.P.)

Pro-forma For Recommendation/Application for the Award of Sandipani Rashtriya Veda Vidya Samman

सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार के लिए सिफारिश/आवेदन हेतु प्रपत्र-

(For the **Veda Pandit/Veda Paathi /** Vedic scholars aged 60 years & above for the particular year of award as on 1st January of that year
पुरस्कार वर्ष का जनवरी पहला दिनांक पर 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के **वेद पण्डित/ वेदपाठी विद्वान्** /वेद विद्वानों के लिए मात्र)

Tick mark the year being applied/nominated /जिस वर्ष के लिए नामित/आवेदन किया उस का निर्देश करें

Sandipani Rashtriya VedaVidya Samman

सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार

2013
2014
2015
2016

Affix here latest Photo of the Nominated Scholar/Applicant

1. Name in block letters : _____
   मोटे अक्षरों में नाम _____
2. Full Address, with email if any _____
   and Mobile no : _____
   पूरा पता, ई-पत्र संकेत एवं _____
   चलदूर-भाष संख्या सहित _____
3. Date of Birth and Age (Enclose Certificate) : _____
   जन्मतिथि एवं आयु (प्रमाणपत्र संलग्न करें)
4. Aadhaar Card No. : _____
   आधार कार्ड संख्या

5. (a) Qualification with the name of University Institution, Year & Class / Division :
विश्वविद्यालय / संस्था के नाम, वर्ष और कक्षा श्रेणी सहित योग्यता

(b) Experience with details of organization served, post held and period served :
सेवा की गई संस्था में अनुभव के साथ, पद और सेवा अवधि विवरण

(c) Subject of Specialization :
विशेषज्ञता का विषय

6. For **TRADITIONAL VEDA PANDIT / VEDA PAATHI** :
पारम्परिक वेद पण्डित / वेदपाठी विद्वान् के लिए

(a) Place & duration of study and names of GURUS :
अध्ययन के जगह, अवधि और गुरु के नाम

(b) Higher Vedic texts in which the traditional scholars specialized :
उच्चतर वैदिक ग्रन्थ जिसमें पारम्परिक विद्वानों को विशेषज्ञता प्राप्त है

(c) Number of students who studied Veda under him and extent to which they were taught Veda. Whether Vikrit Patha taught to Students ? No of such students. Whether Vaidik Vyakarana / Nirukta / Pratishakhya taught to Students? No. of such students :
उन वेद छात्रों की संख्या, जिन्होने वेद अध्ययन किया और कहाँ तक वेद सिखाया गया ? छात्रों को क्या वेद-विकृति पाठ भी सिखाया गया ? उन वेद छात्रों की संख्या एवं छात्रों को क्या वैदिक व्याकरण / निरुक्त / प्रतिशाख्य भी सिखाया गया ? उन वेद छात्रों की संख्या स्पष्ट करें

(d) Degrees / Diploma, if any, with name of the examining body and year : _____
डिग्री / डिप्लोमा, यदि कोई हो, परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था का नाम एवं वर्ष _____

7. (a) Shakha Studied : _____
वेद शाखा का अध्ययन _____

(b) Vikriti Patha Specialised : _____
वेद-विकृति पाठ में विशेषज्ञता प्राप्त किये हैं ? _____

(c) Vaidik Vyakarana/Pratishakhya studied ? : _____
वैदिक व्याकरण / प्रतिशाख्य अध्ययन किये हैं ? _____

(d) Whether studied Veda Bhashya ? If so, examination passed. Name the examining authority / organization : _____
वेद भाष्य का अध्ययन किये हैं ? यदि हाँ, तो कोई परीक्षा उत्तीर्ण की गई ? उस परीक्षा प्राधिकरण / संस्था का नाम स्पष्ट करें _____

8. Books / Monographs / Articles Veda releted : _____
पुस्तकें / मोनोग्राफ / आलेख वेद से सम्बद्ध _____

Published (a) Written (b) Edited (c) Translated _____
प्रकाशित (ए) लिखित (बी) सम्पादित (सी) अनुवादित _____

Specify Veda Shakha / Subject and Language _____
वेद-शाखा / विषय एवं भाषा को निर्दिष्ट करें _____

9. Names of Veda releted manuscripts discovered / edited / translated / noticed / catalogucd **(Provide evidence)** : _____
वेद से सम्बध्द पाण्डुलिपियों के नाम जिन की खोज की/ सम्पादन किया /अनुवाद किया/देखा/सूचीबद्ध किया **(प्रमाण प्रस्तुत करें)** _____

10. Number of Veda students / Research scholars who received guidance in research from the scholar and received Ph.D. / D.Litt etc. : _____
वेद छात्र/शोध विद्वानों की संख्या, जिन्होंने विद्वान से शोध में मार्ग दर्शन प्राप्त किया और पी-एच्.डी./ डी. लिट्. आदि प्राप्त किया _____

11. Recognition / honours already received, :
पहले से प्राप्त मान्यता / सम्मान

i) Title of the recognition / honour
सम्मान का शीर्षक

ii) Year
मान्यता / सम्मान वर्ष

iii) The conferming authority / Institution / Organization
सम्मान पत्र प्रदातृ - प्राधिकरण / संस्था / संगठन

12. Special Contribution towards popularization of Veda with correct Intonation / Recitation of Veda with intonation / Vedang Literature / Veda Bhashya with details. :
सस्वर वेद / सस्वर वेदपाठ / वेदाङ्गों / वेदभाष्य की लोकप्रियता के प्रति विशेष योगदान

13. Vedic Conferences / Veda Vyakhyana Symposia / debates / Veda Sabha / Vidwat Sabha attended if any (indicate place, date and details of the organizers) :
वेद सम्मेलन / वेद व्याख्या संगोष्ठी / चिन्तन सत्र / वेद सभा / विद्वत्सभा में भागग्रहण यदि कोई हो (स्थान, तिथि और आयोजकों का विवरण)

14. Breakthrough made or work done in inter-disciplinary studies involving contribution of Veda or Vedic Wisdom to the process of synergy between modernity and Vedic tradition :
आधुनिकता और वैदिक परम्परा के बीच तालमेल की प्रक्रिया के लिए वेद या वैदिक ज्ञान के योगदान से सम्बद्ध अन्तर-विषय अध्ययनों में किए गए कार्य

15. Please state the special reasons / detailed justification for recommending the scholar Applying for the Veda award :
पुरस्कार के लिए वेद पाठी पण्डित / वेद विद्वान् की सिफारिश के लिए विशेष कारण / विस्तृत औचित्य बताए

16. Names and address of two scholars who are well acquainted with the address, work and normal place of residence of the Vedic Pandit / Veda Pathi / Vedic Scholar, so that if necessary informetion can be obtained :
दो विद्वानों के नाम एवं पते सूचित करें, जो वेद पाठी / वेद पण्डित / वेद विद्वान् के कार्य, पता एवं स्थान को जानते हों तथा आवश्यक होने पर जानकारी प्राप्त कर सकें

1. _____

_____

_____

2. _____

_____

_____

Dated :
दिनांक _____

Name (in capital letters) and Signature of the Applicant
नाम (मोटे अक्षरों में) और आवेदक के हस्ताक्षर

Name (in capital letters) and Signature of the recommending authority *
नाम (मोटे अक्षरों में) और सिफारिश प्राधिकारी के हस्ताक्षर *

* If the recommending authority has already received Certificate of Honour from the Honorable President of India, the year of Award please be noted along with the signature.
यदि सिफारिश प्राधिकारी माननीय भारत राष्ट्रपति द्वारा संस्कृत में विद्वत्ता प्रमाण पत्र से पुरस्कृत है तो पुरस्कार का वर्ष अवश्य उल्लेख करें।

* As per necessity, books, Research papers and other detailts (if any) be sent with this form.
आवश्यकता अनुसार पुस्तक, शोधपत्र एवं अन्य पुरस्कार प्रमाणपत्र प्रेषित करें।

* Character and Antecedent Certificate/Certificate of Originality be sent with this form.
नैतिक आचरण एवं पूर्ववृत्त प्रमाण पत्र /मौलिक कृति प्रमाण पत्र अवश्य प्रेषित करें।

* Application please be sent to Secretary, Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan, Vedvidya Marg, Chitaman Ganesh, Post. Jawasiya, Ujjain 456006 (M.P.).
कृपया आवेदन पत्र सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. ऑ. जवासिया, उज्जैन 456006 (म.प्र.) के पते पर प्रेषित करें।

ANNEXURE

CHARACTER AND ANTECEDENT CERTIFICATE

I ---------- s/o, d/o----------

---------- resident of ----------

---------- applying for the **Sandipani Rashtriya Vedavidya Puraskar of Maharshi Sandipani Rashtriya Veda Vidya Pratishthan,Ujjain** hereby state that I bear good moral character and conduct, I have full faith in the Vedic system of thought, as enshrined in the Veda-s/Vedic literature. Further state that neither any criminal case is pending in any court of law personally on me, or I have never been prosecuted in the past.

I have not been awarded Sandipani Rashtriya Vedavidya Puraskar of Maharshi Sandipani Rashtriya Veda Vidya Pratishthan,Ujjain previously**.**

Signature
Name and Address of the Applicant

I---------- s/o, d/o----------

---------- holding the office of ----------attest the statement as above.

Signature of the Attesting Authority
Name and SEAL

अनुलग्नक

नैतिक आचरण एवं पूर्ववृत्त प्रमाण पत्र

मैं _____ पुत्र / पुत्री _____ का निवासी _____ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्य पुरस्कार के लिए आवेदन करते हुए प्रमाणित करता हूँ कि मैं अच्छे नैतिक चरित्र और आचरण रखा हूँ, मुझे वैदिक विद्या प्रणाली में वेद / वैदिक साहित्य में निहित चिन्तन में पूर्ण विश्वास है । न तो मैं किसी भी आपराधिक मामला किसी भी अदालत में व्यक्तिगत रूप से मुझ पर लंबित है, या मेरे पर अतीत में कभी मुकदमा चलाया नहीं गया है।

मुझे महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार से पूर्व में सम्मानित नहीं किया गया ।

हस्ताक्षर

आवेदक का नाम और पता

मैं _____ पुत्र /पुत्री _____ कार्यालय का प्राधिकारी _____ उपर्युक्त विवरण के रूप में प्रमाणित करता हूँ।

प्राधिकरण के हस्ताक्षर

नाम और मोहर

ANNEXURE

CERTIFICATE OF ORIGINALITY

I ---------- s/o, d/o----------

---------- resident of ----------

---------- applying for the **Sandipani Rashtriya Vedavidya Puraskar of Maharshi Sandipani Rashtriya Veda Vidya Pratishthan,Ujjain** hereby state and confirm that all the books/Research articles/writings submitted for the consideration of the screening and or selection committee are my own intellactual Property and original in nature.

In case of manuscripts editing, they are sourced from original/available manscripts deposited in the --

----------manuscripts library and the copy of the manuscript has been obtained by me following the due procedure as prescribed. In the books/Research articles/writings/fixing the textual readings of Manuscripts, nothing has been copied/ adjugded to be of plagiarism or violation of law.

Signature
Name and Address of the Applicant

I---------- s/o, d/o----------

---------- holding the office of ----------attest the statement as above.

Signature of the Attesting Authority
Name and SEAL

अनुलग्नक

मौलिक कृति प्रमाण पत्र

मैं _____ पुत्र /पुत्री _____ का निवासी _____ सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार के लिए आवेदन करते हुए इस प्रकार पुष्टि करता हूँ कि स्क्रीनिंग और चयन समिति के विचार के लिए प्रस्तुत सभी पुस्तकों / अनुसंधान लेख / लेख मेरी अपनी बौद्धिक संपत्ति हैं और मौलिक कृति हैं ।

पाण्डुलिपि सम्पादन के मामले में, उन्हें मूल /उपलब्ध पाण्डुलिपि को ही देखकर किया गया है वह पाण्डुलिपि _____ पाण्डुलिपि लाइब्रेरी में है । पाण्डुलिपि की सम्पादन विधि के अनुसार मेरे द्वारा पाठ निर्धारित किया गया है।

पुस्तकों / अनुसंधान लेखों / लेखों में / पाण्डुलिपि पाठ सम्पादन में किसी भी तरह का साहित्यिक चोरी या कानून का उल्लंघन नहीं किया गया है।

हस्ताक्षर

आवेदक का नाम और पता

मैं _____ पुत्र /पुत्री _____ कार्यालय का प्राधिकारी _____ उपर्युक्त विवरण के रूप में प्रमाणित करता हूँ।

प्राधिकरण के हस्ताक्षर

नाम और मोहर